प्रिलिम्स फैक्ट्स: 28 सितंबर, 2021

drishtiias.com/hindi/printpdf/prelims-facts-28-september-2021

भगवान नटराज

भगवान नटराज

Lord Nataraj

हाल ही में **संयुक्त राज्य अमेरिका** ने प्रधानमंत्री को **157 कलाकृतियों और पुरावशेषों** को सौंपा, जिसमें **नटराज** की एक कांस्य मूर्ति भी शामिल थी।

- 10वीं शताब्दी में बने बलुआ पत्थर में **रेवंता का बेस रिलीफ पैनल**, 56 **टेराकोटा के टुकड़े**, **कई कांस्य मूर्तियाँ** तथा 11वीं और 14वीं शताब्दी से संबंधित **ताँबे की वस्तुओं** का एक विविध सेट भी इस मूर्ति के साथ भारत को सौंपा गया।
- सौंपी गई वस्तुओं की सूची में **18वीं शताब्दी की तलवार** भी शामिल है, जिसमें **फारसी** में **गुरु हरगोबिंद सिंह** का उल्लेख है, इसके अतिरिक्त कुछ ऐतिहासिक पुरावशेषों में **हिंदू धर्म**, **बौद्ध धर्म** और **जैन धर्म** से संबंधित मूर्तियाँ भी शामिल हैं।

प्रमुख बिंदु

- **नटराज (नृत्य के भगवान)**, हिंदू भगवान शिव **ब्रह्मांडीय नर्तक** के रूप में, विशेष तौर पर **दक्षिण भारत में कई शैव मंदिरों में धातु या पत्थर की मूर्तियों** के रूप में पाए जाते हैं।
  यह **चोल मूर्तिकला** का एक महत्त्वपूर्ण भाग है।
- नटराज के ऊपरी दाहिने हाथ में **ड्रम** है, जो **सृजन की ध्वनि का प्रतीक** है। सभी **रचनाएँ डमरू** की महान ध्वनि से निकलती हैं।
- ऊपरी बाएँ हाथ में **शाश्वत अग्नि** है, जो **विनाश** का प्रतीक है। **विनाश सृष्टि का अग्रदूत** और **अपरिहार्य प्रतिरूप** है।
- निचला दाहिना हाथ अभय मुद्रा में है जो आशीर्वाद का प्रतीक है और भक्त को न डरने के लिये आश्वस्त करता है।
- निचला **बायाँ हाथ ऊपर उठे हुए पैर** की ओर इशारा करता है और **मोक्ष के मार्ग** को इंगित करता है।
- शिव एक **बौने की आकृति** पर नृत्य कर रहे हैं। **बौना अज्ञानता और व्यक्ति** के अहंकार का प्रतीक है।
- भगवान शिव को **ब्रह्मांड के भीतर सभी प्रकार की गति के स्रोत** के रूप में दिखाया गया है और **प्रलय के दिन को नृत्य, ज्वाला के मेहराब** द्वारा दर्शाया गया है, ये ब्रह्मांड के विघटन को संदर्भित करते हैं।
- शिव के उलझे बालों से बहने वाली **धाराएँ गंगा नदी के प्रवाह** का प्रतिनिधित्व करती हैं।
- शिव के एक कान में नर तथा दूसरे में मादा अलंकरण है। यह नर और मादा के संलयन का प्रतिनिधित्व करता है और इसे **अर्द्ध-नारीश्वर रूप में** जाना जाता है।
- शिव की भुजा के **चारों ओर एक साँप मुड़ा** हुआ है। **साँप कुंडलिनी शक्ति का प्रती**क है, जो मानव रीढ़ में सुप्त अवस्था में रहती है। यदि **कुंडलिनी शक्ति जाग्रत** हो जाए, तो **व्यक्ति सच्ची चेतना** प्राप्त कर सकता है।
- नटराज **जगमगाती रोशनी** के एक **बादल/निंबस** से घिरा हुआ है जो समय के **विशाल अंतहीन चक्र** का प्रतीक है।